विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग दशम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-१२/११/२०२० (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

पाठ:-नवम: पाठनाम सूक्तय:

श्लोक:

विद्वांस एव ऱ्लोकेऽस्मिन् चक्षुष्मन्त: प्रकीर्तिता:।

अन्येषां वदने ये तु ते चक्षुनामनी मते।।

अन्वय:

अस्मिन् लोके विद्वांस: एव चक्षुष्मन्त: प्रकीर्तिता: ।

अन्येषां वदने ये (चक्षुषी)ते तु चक्षुनामनी मते।

शब्दार्था:

लोकेऽस्मिन् – इस लोक में , चक्षुष्मन्त: - आंखों वाले

अन्येषां – दूसरों की , वदने – चेहरे पर, मते – विचार में

प्रकीर्तिता: - कहे गए हैं

अर्थ

इस संसार में विद्वान लोग ही आंखों वाले कहे गए हैं। दूसरों के (मूर्खों के) मुख पर जो आंखें हैं,वे तो केवल नाम की ही हैं।